सांध्य दैनिक 4PM

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 207 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 6 सितम्बर, 2022

मूल्य ₹ 3/-

माता-पिता का सम्मान किया जाना चाहिए और बड़ों का भी, जीवित प्राणियों के प्रति दयालुता को मजबूत किया जाना चाहिए और सत्य बोला जाना चाहिए।

–सम्राट अशोक

जिद...सच की

कार में बैठे सभी लोगों को सीट बेल्ट... 8 | लोक सभा चुनाव से पहले सियासी... 3 | भाजपा राज में अपराधी बेखौफ... 7

केजरीवाल सरकार की आबकारी नीति में कथित घोटाले का मामला

अब दिल्ली से यूपी तक ईडी की ताबड़तोड़ छापेमारी

निशाने पर शराब कारोबारी

- » करीब तीस से अधिक ठिकानों पर जांच एजेंसी ने की कार्रवाई
- » दिल्ली में घोटाले के आरोपी समीर महेंद्रू के आवास पर पहुंची टीम
- » लखनऊ, गुरुग्राम, मुंबई, बेंगलुरू, हैदराबाद में भी चला अभियान
- » पहले सीबीआई कर चुकी है छापेमारी की कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की अरविंद केजरीवाल सरकार की नई आबकारी नीति में कथित घोटाले को लेकर सीबीआई के बाद अब ईडी भी एक्शन में आ गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने आज दिल्ली और यूपी समेत कई राज्यों में करीब तीस से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की। टीम बिचौलिए और शराब कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। वहीं लखनऊ में दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के एक करीबी के घर पर भी टीम पहुंची। हालांकि मनीष सिसोदिया के यहां टीम नहीं पहुंची है।

ईडी ने आज दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा, पंजाब, तेलंगाना, महाराष्ट्र और यूपी के कई शहरों में छापेमारी की। कई शराब कारोबारियों के ठिकानों पर ईडी के अधिकारी पहुंचे हैं। दिल्ली, गुरुग्राम, लखनऊ के अलावा मुंबई, बेंगलुरु और हैदराबाद में भी तलाशी ली जा रही है।

इनके खिलाफ दर्ज है एफआईआर

ईडी ने सीबीआई से केस को अपने हाथ में लिया है इसलिए मनी लॉन्ड्रिंग जांच में भी मनीष सिसोदिया का नाम आरोपी के रूप में है। जांच एजेंसी ने नौ लोगों का नाम एफआईआर में दर्ज किया है, जिनमें दिनेश अरोड़ा, विजय नायर, मनोज राय, (पेरनोड रिकार्ड के वॉइस प्रेजिडेंट), समीर महेंद्रू (इंडो स्प्रिट के एमडी), एक शराब वितरक अमनदीप ढाल, ब्रिंडको सेल्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर, थोक विक्रेता, अमित अरोड़ा, बड्डी रिटेल प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर, खुदरा विक्रेता सन्नी मारवाह, पोंटी चड्ढा ग्रुप का डायरेक्टर, तेलंगाना निवासी अरुण पिल्लई और गुरुग्राम निवासी अरुण पांडे का नाम शामिल है।

दिल्ली के जोरबाग इलाके में शराब कारोबारी और घोटाले में आरोपी समीर महेंद्रू के घर टीम पहुंची है। आरोप है कि इन्हीं से जुड़े खाते से एक करोड़ ट्रांसफर किए गए थे। लखनऊ के विभूतिखंड में मनीष सिसोदिया के करीबी मनोज राय के यहां ईडी की टीम पहुंची। अफसरों ने बताया कि छापेमारी शराब कारोबारियों, बिचौलियों और लाइसेंस होल्डरों आदि के यहां की जा रही है। इससे पहले सीबीआई ने इस मामले में मनीष सिसोदिया समेत एक दर्जन से अधिक लोगों और कंपनियों के खिलाफ केस दर्ज किया था और छापेमारी की थी।

उपराज्यपाल ने की थी जांच की सिफारिश

22 जुलाई, 2022 को उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने दिल्ली सरकार की नई आबकारी नीति 2021-22 में नियमों के उल्लंघन और प्रक्रियागत खामियों को लेकर इसकी सीबीआई जांच कराए जाने की सिफारिश की थी। एलजी ने यह सिफारिश मुख्य सचिव की ओर से राजभवन को 8 जुलाई को सौंपी गई उस रिपोर्ट के आधार पर की थी, जिसमें इन सभी खामियों का जिक्र किया गया था।

सीबीआई को कुछ नहीं मिला तो ईडी को लगा दियाः सिसोदिया

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने ईडी की रेड को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि सीबीआई को दिल्ली की आबकारी नीति में कोई खामी नहीं मिली तो ईडी को पीछे लगा दिया है। ईडी को भी छापेमारी में कुछ नहीं मिलेगा।

चार नयी नगर पंचायतों के गठन पर मुहर 19 से शुरू होगा विधानमंडल का सत्र

- » आठ निकायों की सीमा में होगा विस्तार, कैबिनेट ने 15 प्रस्तावों को दी मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में कई प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। नगर विकास विभाग के 12 प्रस्ताव पारित हुए। इसमें अयोध्या की मां कामाख्या नगर पंचायत सहित चार नई नगर पंचायतों का गठन पर मुहर लगी। अब प्रदेश में कुल 756 निकाय हो गए हैं। बैठक में आठ निकाय की सीमा के विस्तार का भी निर्णय लिया गया है। वहीं यूपी विधानमंडल का सत्र 19 सितंबर से शुरू होगा।

कैबिनेट बैठक में 15 प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई। चार नई नगर पंचायतों के गठन समेत अलीगढ़ नगर निगम समेत आठ नगर निकायों के सीमा विस्तार के प्रस्तावों पर मुहर लगी है। फर्रुखाबाद का कांपिल तक सीमा विस्तार होगा। संकिसा को नगर पंचायत बनाया जायेगा। देवरिया और अलीगढ़ नगर निकाय का भी सीमा विस्तार होगा। किसान हित में कीट रोग नियंत्रण योजना को मंजूरी दी गई है। 2022-23 से 2026-27 तक 192.57 करोड़ रुपये व्यय किये जाएंगे। इसके साथ गृह, औद्योगिक विकास एवं अवस्थापना के प्रस्तावों को मंजूरी दी। कुछ विभागों की नीतियों के प्रस्ताव को मंजूरी मिली है।

भाजपा विधायक अरविंद गिरि का हार्ट अटैक से निधन

- » समर्थकों में शोक की लहर लखीमपुर से लखनऊ आ रहे थे विधायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखीमपुर। लखीमपुर खीरी के गोला गोकर्ण नाथ सीट से पांचवीं बार जीत दर्ज करने वाले विधायक अरविंद गिरि का आज सुबह हार्ट अटैक से निधन हो गया। वे लखीमपुर से लखनऊ आ रहे थे।

अरविंद गिरि आज सुबह करीब छह बजे अपने गोला स्थित आवास से लखनऊ के लिए रवाना हुए थे। विधायक की गाड़ी अटरिया के पास पहुंची थी, तभी उनकी तबीयत अचानक खराब होने लगी। विधायक के सीने में तेज दर्द शुरू हो गया था। उन्होंने ड्राइवर को अपनी तबियत के बारे में अवगत कराया लेकिन जब तक अरविंद गिरि को अस्पताल पहुंचाया जाता तब तक उनकी सांस थम चुकी थी। एक दिन पहले ही गोला की छोटी काशी के कारिडोर बनने को लेकर विधायक अरविंद गिरि बहुत उत्साहित दिख रहे थे। बताया जाता है कि वह छोटी काशी के कारिडोर के सिलसिले में ही लखनऊ जा रहे थे। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना ने भी अरविंद गिरि की मौत पर दुख व्यक्त किया है।

अध्यक्ष गांधी परिवार से नहीं बना तो टूट सकती है कांग्रेस : प्रमोद तिवारी

» राजस्थान युवक कांग्रेस में नियुक्तियों को लेकर विवाद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य और वरिष्ठ नेता प्रमोद तिवारी ने गांधी परिवार से ही पार्टी का अध्यक्ष बनाए जाने की बात कही है। उन्होंने गांधी परिवार के बाहर के व्यक्ति को अध्यक्ष बनाए जाने पर पार्टी में टूट होने की आशंका जताई है। जयपुर स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव कार्यक्रम घोषित हो गया है, जो भी चाहे नामांकन पत्र दाखिल कर सकता है।

लेकिन मेरी व्यक्तिगत राय है कि गांधी परिवार को ही पार्टी का नेतृत्व करना चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष गांधी परिवार से बने, क्योंकि ऐसा नहीं होगा तो विखंडन हो सकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा निकालने की जरूरत इसलिए पड़ी, क्योंकि एक आदमी ने इस देश को बहुत सपने दिखाए, लेकिन दो बड़े उद्योगपतियों को छोड़कर किसी के सपने पूरे नहीं हुए। उन्होंने

कहा कि भाजपा ईस्ट इंडिया कंपनी की तरह काम कर रही है। दोनों के बीच बहुत सी समानता है। पैसों के बल और केंद्रीय एजेंसियों के दम पर सरकार गिराने का खेल चल रहा है। आठ साल में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है। इस बीच राजस्थान युवक कांग्रेस में एक दिन पहले हुई नियुक्ति को लेकर विवाद हो गया है। राज्य सरकार में युवा बोर्ड के अध्यक्ष सीताराम लांबा ने नियुक्तियों पर सवाल उठाया है। लांबा ने युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी को पत्र लिखकर कहा कि जो व्यक्ति संगठन का प्राथमिक सदस्य नहीं है उसे प्रदेश का वरिष्ठ उपाध्यक्ष बना दिया गया है। यह निष्ठावान युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय है। मालूम हो कि गुजरात कांग्रेस के प्रभारी रघु शर्मा के पुत्र सागर शर्मा और नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास के भांजे दुष्यंत राज सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं सागर ने संगठन में अब तक कोई काम नहीं किया है। वह युवक कांग्रेस के प्राथमिक सदस्य भी नहीं है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान युवक कांग्रेस के प्रभारी हरपाल सिंह चुड़ासमा ने 14 नियुक्तियां की थी। इनमें चार वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नौ उपाध्यक्ष और एक संगठन महामंत्री बनाया गया था।

टीचर्स डे पर ट्वीटर पर छाए रहे सीएम योगी

» पूरे दिन ट्रेंड करता रहा यूपी का योगी शिक्षा मॉडल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शिक्षक दिवस के अवसर पर सोमवार को ट्विटर पर पूरे दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का शिक्षा मॉडल छाया रहा। ट्विटर पर सुबह से ही योगी का शिक्षा मॉडल ने ट्रेंड करना शुरू कर दिया। पूरे दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का शिक्षा मॉडल टॉप ट्रेंड में बना रहा। यूजर्स ने प्रदेश में कॉन्वेंट स्कूल की तर्ज पर विकसित हो रहे सरकारी मॉडल की खूबियों की सराहना की।

मुख्यमंत्री ट्विटर पर सीएम योगी UpYogiShikshaModel को 15 हजार से ज्यादा लोगों ने रिट्वीट किया तो 300 मिलियन लोगों ने इसे देखा। वहीं 55 मिलियन तक ट्रेंड पहुंचा। मुख्यमंत्री की लोकप्रियता किसी से छुपी नहीं है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर करोड़ों लोग उन्हे फालो करते हैं और समय-समय पर उनके कामों की सराहना करते हैं। मुख्यमंत्री योगी के एक ट्विटर फॉलोवर फैन ने महाराजगंज के एक सरकारी स्कूल की फोटो शेयर करते हुए लिखा है कि महाराजजी का शासन उत्तम से उत्तम है। फोटो में स्कूल में बच्चों को मिड डे मील बांटा जा रहा है। एक फॉलोवर ने अलीगढ़ के गांव रोहिना सिंघपुर ब्लॉक धानीपुर के सरकारी प्राइमरी स्कूल की एक तरफ वर्ष 2017 की फोटो शेयर की, जो बदहाली का दास्तां बयां कर रही थी।

जौनपुर में डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने की कार्रवाई

» मेडिकल स्टोर पर सरकारी दवा मिलने पर तीन फार्मासिस्ट निलंबित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जौनपुर। मेडिकल स्टोर पर जिला अस्पताल की सरकारी दवाइयों के मिलने के मामले में डिप्टी सीएम स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने जिला अस्पताल के तीन फार्मासिस्टों को निलंबित कर दिया है। साथ ही यहां के जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई का निर्देश दिया है। इसकी जानकारी स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने अपने ट्विट कर साझा किया है, जिन फार्मासिस्टों को निलंबित किया गया है उनमें संजय कुमार सिंह, वीरेंद्र मौर्य, अखिलेश उपाध्याय शामिल हैं।

बता दें कि जून के महीने में सिद्दीकपुर स्थित एक मेडिकल स्टोर और मकान में भारी मात्रा में मिली दवाइयों पर जिला अस्पताल की मुहर लगी थी। इस मामले में मुकदमा दर्ज कराने के बाद ज्वाइंट मजिस्ट्रेट जांच कर रहे थे। उन्होंने अपनी रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेजी थी। रिपोर्ट में जांच अधिकारी ने तीन फार्मासिस्ट के निलंबन की संस्तुति करते हुए जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक की कार्य प्रणाली पर सवाल उठाया था। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि सीएमएस ने अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरती। तत्कालीन ज्वाइंट मजिस्ट्रेट को किसी ने सूचना दी थी कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने स्थित आरएम मेडिकल स्टोर संचालक सरकारी अस्पतालों में आपूर्ति की गई दवाओं को नीमहकीम और ग्रामीण क्षेत्र की दुकानों पर बेचता है।

राजनाथ सिंह व विदेश मंत्री जयशंकर होंगे टोक्यो रवाना

» भारत-जापान संबंधों को मजबूती देंगे दोनों मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर 7 से 10 सितंबर 2022 तक दूसरी भारत-जापान 2+2 मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए जापान की आधिकारिक यात्रा करेंगे। भारत-जापान 2+2 मंत्रिस्तरीय बैठक कल यानि (बुधवार) से शुरू हो रही है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यात्रा के दौरान दोनों मंत्री अपने समकक्षों के साथ रक्षा मंत्री स्तरीय बैठक और विदेश मंत्रियों की रणनीतिक वार्ता भी करेंगे। इस यात्रा के दौरान राजनाथ सिंह अपने जापानी समकक्ष यासुकाजू हमदा से मुलाकात करेंगे। जबकि जयशंकर यात्रा के दौरान जापान के विदेश मंत्री योशिमासा हयाशी से मुलाकात करेंगे। भारत-जापान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी लोकतंत्र, स्वतंत्रता और कानून के शासन के सम्मान के साझा मूल्यों पर आधारित है।

ओमप्रकाश राजभर की सुभासपा में बड़ी बगावत

उपाध्यक्ष महेंद्र राजभर का इस्तीफा; कई अन्य पदाधिकारियों ने भी छोड़ी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) में ओमप्रकाश राजभर के खिलाफ बड़ी बगावत हो गई है। उनकी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेन्द्र राजभर ने सोमवार को दर्जनों पदाधिकारियों के साथ पार्टी की सदस्यता छोड़ दी। उन्होंने ओमप्रकाश राजभर पार्टी के मिशन से भटक जाने का आरोप लगाया। जबकि महेंद्र राजभर की बगावत पर प्रतिक्रिया देते हुए सुभासपा नेता अरुण राजभर ने एक निजी चैनल से कहा कि सुभासपा एक प्रयोगशाला की तरह है।

यहां सीखने के बाद जब लोगों को बड़ी डिग्री लेने की आकांक्षा जागती है तो इस तरह की बातें सामने आती हैं। उन्होंने कहा कि महेंद्र राजभर काफी समय से पार्टी में हैं। आज अचानक से क्या हो गया? हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि सुभासपा कार्यकर्ताओं का सम्मान करते है, उन्हें भी मनाने की कोशिश की जाएगी। उधर, मऊ के एक प्लाजा में

राजभर के घर छुपे है अब्बास अंसारी

महेंद्र ने सुभासपा मुखिया ओम प्रकाश राजभर को परिवारवादी के साथ ही धन बटोरने वाला और माफिया मुख्तार अंसारी के इशारे पर काम करने वाला कहा है। महेंद्र ने यहां तक कहा है कि जिस फरार विधायक अब्बास अंसारी को पुलिस सरगर्मी से तलाश रही है, वो ओम प्रकाश राजभर के घर में छुपे हो सकते हैं। महेंद्र राजभर ने सुभासपा का साथ क्यों छोड़ा? इस मसले पर राजभर ने अनमने ढंग से कुछ सवालों के जवाब दिए और फिर फोन काट दिए।

महेंद्र राजभर ने आरोप लगाया कि सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ऐन केन प्रकरण सिर्फ धन बटोरने के चक्कर में लगे रहते हैं।

आजम खां के खिलाफ कोर्ट में गवाही देने पहुंचे गवाह

» 16 सितंबर को भी बचाव पक्ष करेगा जिरह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामपुर शहर विधायक आजम खां के खिलाफ यतीमखाना प्रकरण के एक मामले में सुनवाई हुई। मुकदमे के वादी ने गवाही दी। अदालत अब 16 सितंबर को सुनवाई करेगी। शहर कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला सराय गेट के निकट स्थित यतीमखाना बस्ती को वर्ष 2016 में खाली कराया गया था। तब प्रदेश में सपा की सरकार थी। इसके बाद भाजपा सरकार आने पर वर्ष 2019 में बस्ती के लोगों ने शहर कोतवाली में 12 मुकदमे दर्ज कराए थे। इन मुकदमों में शहर विधायक आजम खां, सेवानिवृत्त सीओ आले हसन खां, सपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गोयल, इस्लाम ठेकेदार आदि को नामजद किया था। सभी मुकदमों में आजम खां की जमानत अर्जी मंजूर हो चुकी है। मुकदमे की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट (सेशन ट्रायल) में चल रही है। इनमें एक मुकदमा जाकिर ने कराया था। सोमवार को उनके मुकदमे की सुनवाई थी, जिसमें जाकिर गवाही देने पहुंचे। अदालत ने उनके बयान दर्ज किए। बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने जिरह की। हालांकि जिरह पूरी नहीं हो सकी है। अदाल अब 16 सितंबर को सुनवाई करेगी।

लोक सभा चुनाव से पहले सियासी जमीन मजबूत करने में जुटी बसपा

सदस्यता अभियान से संगठन को मजबूती देने की कोशिश

» पुराने साथियों पर फोकस दलित-मुस्लिम गठजोड़ की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में अपनी सियासी जमीन वापस पाने के लिए बसपा ने तैयारी तेज कर दी है। लोक सभा चुनाव से पहले बसपा अपना कुनबा बढ़ाने में जुट गई। इसके लिए सदस्यता अभियान के जरिए संगठन को मजबूत करने की कवायद की गयी। पुराने साथियों को जोड़ने की कोशिश भी की जा रही है। वहीं बसपा प्रमुख मायावती ने दलित-मुस्लिम गठजोड़ की रणनीति तैयार की है ताकि लोक सभा चुनाव में पार्टी बेहतर प्रदर्शन कर सके।

प्रदेश में बसपा की सियासी जमीन सिमटती जा रही है। इसको लेकर बसपा प्रमुख मायावती बेहद चिंतित हैं और पार्टी की जड़ों को फिर से मजबूती देने के लिए नया प्लान तैयार किया है। अपनी रणनीति में अब तक कई प्रयोग कर चुकीं मायावती की नजर संगठन की मजबूती पर है। वह ऐसी समर्पित टीम बनाना चाहती हैं जो 2024 के रण में बसपा का झंडा बुलंद कर सके। एक दशक पहले सत्ता गंवाने के बाद से बसपा का प्रदर्शन लगातार खराब ही रहा है। वर्ष 2014 के लोक सभा चुनाव में शून्य पर सिमटने वाली बसपा हाल के विधान सभा चुनाव में सिर्फ एक सीट ही जीत सकी। हालांकि 2019 के लोक सभा चुनाव में पार्टी के 10 सांसद तब चुने गए थे जब उसने अपनी धुर विरोधी समाजवादी पार्टी से हाथ मिलाया था। हालांकि, लोक सभा चुनाव के बाद ही बसपा प्रमुख ने सपा से नाता तोड़ लिया था और पिछला विधान सभा चुनाव अकेले ही लड़ीं। अभी लोक सभा चुनाव में लगभग डेढ़ वर्ष से अधिक का वक्त है। ऐसे में बसपा प्रमुख मायावती की कोशिश है कि पार्टी को मजबूत करने के साथ खिसकते जनाधार को हासिल किया जाए। इसके लिए उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों को सदस्यता अभियान में अधिक से अधिक सदस्य बनाने का जिम्मा सौंपा था। यह अभियान 31 अगस्त तक चला। इसके अलावा उन्होंने दलित और मुस्लिम गठजोड़ बनाकर लोक सभा चुनाव में फतह हासिल करने की कोशिश कर रही हैं। यही वजह है कि मायावती दलित और मुस्लिमों के मामलों को लेकर लगातार भाजपा पर हमलावर रहती हैं।

निकाय चुनाव की तैयारी

विधानसभा चुनाव में करारी शिकस्त के बाद बसपा निकाय चुनाव को मजबूती से लड़ने का रोडमैप तैयार करने में जुट गई है। खासकर मेयर और अध्यक्ष पद पर पार्टी के कॉडर नेताओं को मैदान में उतारने पर विचार किया जा रहा है। बसपा इसके सहारे मिशन-2024 के लिए जमीन तैयार करना चाहती है। यूपी में इस बार मेयर की 17 सीटों के लिए चुनाव होना है। बसपा के लिए पिछला निकाय चुनाव लाभदायक साबित हुआ था। वर्ष 2017 में अलीगढ़ और मेरठ की मेयर सीट जीत कर बसपा ने सभी को चौंकाया था। बसपा इस बार भी इसी रणनीति पर काम कर रही है। बसपा मेयर की सभी सीटों पर लड़ने के लिए उम्मीदवारों के चयन में जुट गई है। इन सीटों पर जातिगत समीकरण के आधार पर उम्मीदवार उतारे जाएंगे। यह माना जाता है कि मेयर को एक सांसद के बराबर मतदाता चुनता है। पार्टी के जानकारों का कहना है कि पार्षदी के टिकट बंटवारे में युवाओं और महिलाओं को पहली प्राथमिकता दी जाएगी। इसके सहारे निचले स्तर पर जमीन तैयार करने की योजना है। बसपा के रणनीतिकारों का मानना है निकाय चुनाव परिणाम से यह पता चल जाएगा कि उसकी क्या हैसियत है और जहां जो कमी होगी, उसे लोक सभा चुनाव से पहले दूर कर जमीन मजबूत की जाएगी। मंडलीय प्रभारियों को इसके लिए अभी से तैयारी करने का निर्देश दिए गए है, जिससे उम्मीदवारों का चयन तय समय से हो जाए।

मिशनरी सदस्यों को वरीयता

बसपा का प्रयास है कि निकाय चुनाव में जमीन से जुड़े मिशनरी सोच रखने वाले वफादार युवाओं और महिलाओं को टिकट देकर उनकी जीत सुनिश्चित की जाए ताकि बाद में वे सत्ता के दबाव में आकर दूसरी पार्टी की ओर मुंह न कर लें। लोक सभा चुनाव अकेले या किसी से गठबंधन करके लड़ने के प्रश्न पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि आजमगढ़ लोक सभा सीट के उपचुनाव में जिस तरह से बसपा को ठीकठाक वोट मिले हैं, उसको देखते हुए मायावती ने अभी सभी 80 लोक सभा सीटों को ध्यान में रखकर चुनाव की तैयारी करने के लिए कहा है।

राजधानी में बनेगा सीएम योगी के सपनों का विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर

» सुलतानपुर रोड स्थित सीजी सिटी में बन सकता है सेंटर

» यह कंवेशन सेंटर पांच सितारा होटल की तर्ज पर बनेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुलतानपुर रोड स्थित सीजी सिटी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सपनों को साकार करने वाला विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर बनाया जाएगा। यह ऐसा केंद्र होगा कि जहां विदेशी मेहमानों की मेजबानी हो सकेगी। इंवेस्टर समिट जैसे कार्यक्रम और भी बड़े स्तर पर हो सकेंगे। इसके लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण (लविप्रा) की सीजी सिटी में खाली प्लासियो माल के पीछे स्थित जमीन को चिन्हित किया गया है। यह कंवेशन सेंटर पांच सितारा होटल की तर्ज पर बनेगा। भविष्य में मेट्रो की कनेक्टिविटी एयरपोर्ट से हो सकेगी, वहीं एयरपोर्ट से कन्वेशन सेंटर तक पहुंचने के लिए शहीद पथ सेतु का काम करेगा। वीवीआईपी गतिविधियों के लिए हैलीपेड भी बनेगा।

उद्देश्य होगा, दिल्ली व अन्य राज्यों से आने वाले हेलीकाप्टर सीधे लैंड कर सकें। इस 35 एकड़ विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर से आउटर रिंग रोड और ग्रीन कारिडोर से नई रोड को जोड़ा जाएगा ताकि कन्वेंशन सेंटर तक पहुंचने के लिए कई मार्ग हों और ट्रैफिक समस्या कई दशकों तक न हो। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान से कई मायने में बेहतर होगा। एक समय में दर्जनों सेशन हालों में चल सकेंगे। खुला क्षेत्र इतना बड़ा होगा कि हजारों लोग संबोधन सुन सके। मूलभूत सुविधाओं से लैस होने के साथ ही पार्किंग की क्षमता चार पहिया वाहनों की एक हजार से अधिक होगी। इसके लिए भूमिगत पार्किंग कई तल तक बनाई जाएगी। इसके ऊपर हाल प्रस्तावित होंगे। लखनऊ विकास प्राधिकरण इसको लेकर पूरी कार्ययोजना जल्द बना लेगा और फिर इसका शासन स्तर पर प्रजेंटेशन होने के बाद प्रोजेक्ट को अंतिम रूप देगा।

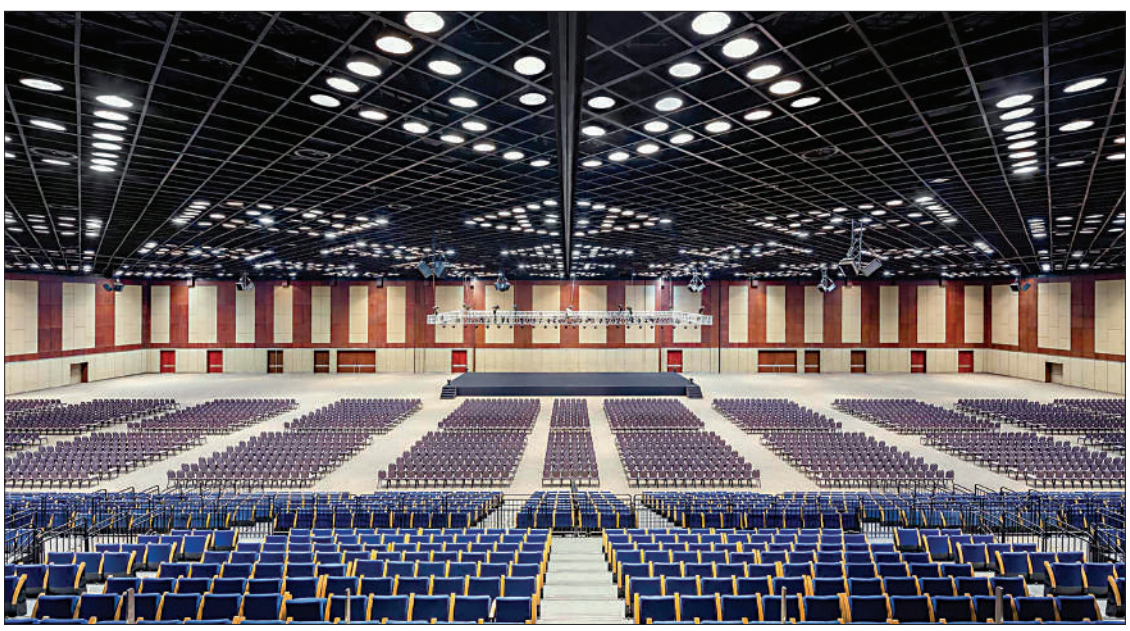

सबसे वीआईपी क्षेत्र सीजी सिटी

लखनऊ में सबसे खुला और आधुनिक सुविधाओं से लैस सीजी सिटी टाउनशिप है। यहां प्राइवेट बिल्डर होने के साथ ही मेदांता अस्पताल, एचसीएल, अमूल व पराग दूध के प्लांट, विश्वस्तरीय कैंसर अस्पताल, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और एशिया का सबसे बड़ा माल होने के साथ ही इकाना स्पोर्ट्स सिटी बनाई जा रही है।

"शहीद पथ स्थित प्लासियो माल के पीछे लविप्रा की जमीन है, जो सीजी सिटी के अंतर्गत आता है। वहीं वर्तमान की जरूरतों को देखते हुए कंवेशन सेंटर बनाया जाएगा। जरूरत पड़ने पर जमीन का दायरा बढ़ाया जा सकता है।

-पवन कुमार गंगवार, सचिव, लविप्रा।

वाराणसी का रूद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर बना है शानदार

जितना शानदार वाराणसी का रूद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर है उतनी ही इसकी खूबियां भी हैं। इस कन्वेंशन सेंटर में 120 गाड़ियों की बेसमेंट पार्किंग है। ग्राउंड फ्लोर, प्रथम तल को लेकर हॉल होगा जिसमें वियतनाम से मंगाई गई कुर्सियां हैं और लगभग 1200 लोग एक साथ इस हॉल में बैठ सकते हैं। बता दें कि दिव्यांगो के लिए भी दोनों दरवाजों के पास 6-6 व्हील चेयर्स का इंतजाम किया गया है। शौचालयों को दिव्यांगजनों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। इस कन्वेंशन सेंटर में ग्रीन रूम भी बनाया गया है। 150 लोगों की क्षमता वाला दो कॉन्फ्रेंस हॉल या गैलरी भी है जो दुनिया के आधुनिकतम उपकरणों से सुसज्जित है। इन हॉल्स को जरूरत के मुताबिक घटाया या बढ़ाया जा सकता है। बता दें कि रुद्राक्ष को जापान इंटरनेशन कोऑपरेशन एजेंसी ने फंडिंग किया है। इस सेंटर में छोटा जापानी गार्डेन भी बनाया गया है साथ ही 110 किलोवॉट की उर्जा के लिए इसमें सोलर प्लांट भी लगा है। वहीं दीवारों पर लगें ईंट भी ताप रोकने का काम करते हैं साथ ही रुद्राक्ष को वातनुकूलित रखने के लिए इटली के उपकरणों को दीवारों पर लगाया गया है। बता दें कि इसके निर्माण में पलाई ऐश का भी इस्तेमाल किया गया है। सेंटर सीसीटीवी से लैस है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम है। इसी तर्ज पर लखनऊ का कन्वेंशन सेंटर बनेगा। यह उससे बेहतर बनाया जाएगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

अग्निकांडों से सबक कब?

लखनऊ में एक और होटल आग की चपेट में आ गया। हजरतगंज जैसे पॉश इलाके में बने लेवाना होटल में आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 18 लोग घायल या झुलस गए। सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं। सवाल यह है कि राजधानी में कई बार आगजनी की घटनाओं से हुई जन-धन की हानि से सरकार ने कोई सबक क्यों नहीं लिया? घटना के पहले फायर एनओसी और अन्य मानकों की जांच-पड़ताल क्यों नहीं की जाती है? कानूनों की धज्जियां उड़ा रहे संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं की जाती है? दुर्घटना में हुई मौतों का जिम्मेदार कौन है? आखिर कब तक जांच का खेल चलता रहेगा? आग से बचाव के उपकरणों की समय-समय पर जांच क्यों नहीं होती है? क्या सरकारी कर्मियों और संचालकों की मिलीभगत से यह खेल चल रहा है? क्या विभागों में चल रहे भ्रष्टाचार को खत्म किए बिना ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है?

लेवाना होटल में अग्निकांड पहली घटना नहीं है। इसके पहले चारबाग के एसएसजी इंटरनेशनल तथा विराट होटल में 19 जून 2018 को आग लगी थी। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई थी और कई झुलस गए थे। उस समय भी जांच हुई थी। रिपोर्ट में कई कर्मियों और अधिकारियों की मिलीभगत उजागर हुई थी। कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई भी हुई लेकिन इसका कोई असर नहीं दिखा। लेवाना होटल अग्निकांड की जांच रिपोर्ट आने के बाद ही असलियत पता चलेगी लेकिन इतना साफ है कि यहां आग से बचाव के पूरे बंदोबस्त नहीं थे अन्यथा इतनी बड़ी दुर्घटना नहीं होती। केवल होटल ही नहीं सरकारी और निजी अस्पतालों समेत अन्य गैर सरकारी बिल्डिंगों में भी आग से बचाव के उचित प्रबंध नहीं हैं। राजधानी में पांच हजार छोटे-बड़े होटल संचालित हैं। इसमें कई डिब्बा बंद हैं और दुर्घटना के वक्त मानकों के मुताबिक यहां इमरजेंसी निकास की व्यवस्था नहीं है। यही नहीं कई अस्पतालों में फायर उपकरण शो पीस बने हुए हैं। कई उपकरण एक्सपायर हो चुके हैं और अधिकांश कर्मचारियों को आग लगने के समय इसके प्रयोग की जानकारी तक नहीं है। इससे साफ है एनओसी देने के बाद फायर डिपार्टमेंट इसका निरीक्षण तक करने की जहमत नहीं उठाता है। संचालक, सरकारी कर्मियों के साथ मिलीभगत कर लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं। यदि सरकार अग्निकांडों पर नियंत्रण लगाना चाहती है तो उसे न केवल जरूरी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना होगा बल्कि ऐसे लोगों को चिन्हित कर कड़ी कार्रवाई भी करनी होगी। वहीं विभागीय भ्रष्टाचार को भी खत्म करना होगा।

“ सवाल यह है कि राजधानी में कई बार आगजनी की घटनाओं से हुई जन-धन की हानि से सरकार ने कोई सबक क्यों नहीं लिया? घटना के पहले फायर एनओसी और अन्य मानकों की जांच-पड़ताल क्यों नहीं की जाती है? कानूनों की धज्जियां उड़ा रहे संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं की जाती है? दुर्घटना में हुई मौतों का जिम्मेदार कौन है? आखिर कब तक जांच का खेल चलता रहेगा?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

श्रमशीलता को बनाएं विकास का मंत्र

सुरेश सेठ

आजकल महंगाई, बेकारी, गरीबी और गिरती विकास दर का तुलनात्मक अध्ययन हो रहा है। नतीजा यह निकला कि देश की आर्थिक स्थिति उतनी खराब नहीं है, जिसकी आशंका जतायी गयी। आर्थिक हालात का तुलनात्मक अध्ययन कुछ बड़ी शक्तियों या पड़ोसी देशों के साथ करते हैं। परिणाम यह निकलता है कि दूसरे देशों में तो हालात हमारे देश भी खराब हैं, इसलिए संतोष कर लिया जाये।

अभी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत के लिये गुजरते आर्थिक वर्ष के लिए 7.4 प्रतिशत की विकास दर का अंदाजा लगाया है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने भी तत्काल कहा कि 'इस बारे में हमारे रिजर्व बैंक का अनुमान भी यही है। मौजूदा विकट परिस्थितियों में यह दर कोई कम नहीं और भारतीयों की अमिट जिजीविषा की सूचक है।' लेकिन इसके साथ यह याद क्यों नहीं किया गया कि कोरोना या महामारियों के विकट समय से पूर्व भारत अपनी विकास दर में स्वत:स्फूर्त स्तर को प्राप्त करने के करीब था। यह दर दस प्रतिशत होती है। यह सही है कि कोरोना की विकट आर्थिक स्थिति से छुटकारा पाने और काम मांगती युवा पीढ़ी को कर्मठता का उपहार देने के लिए कुटीर, लघु और मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन देने का संकल्प लिया गया है। सहकारी आंदोलन को फिर से जीवित करने के प्रति प्रतिबद्धता जतायी गयी है। निवेश प्रोत्साहन के लिए स्टार्टअप उद्योगों के साथ प्रयास किया गया ताकि देश के युवा काम मांगते हाथों की जगह काम देने वाले हाथों में तब्दील हो सकें लेकिन कोरोना के संक्रामक सैलाब के गुजर जाने के बाद भी भारत की श्रमशक्ति अपने आपको अपनी नौकरियों के मूल से बिछुड़ा क्यों पाती है? नयी नौकरियां मिली नहीं रही है। पूर्णबंदी माहौल ने महानगरों का सामान्य जीवन उखाड़ा कि शहरों में आ जमे नौजवान अपने काम-धाम से उखड़ वापस गांवों की ओर चल दिये। संक्रमण के दबाव के कम होने के बावजूद यह भयभीत श्रमशील अब वापस जाने के लिए तैयार नहीं। इसको समझते हुए सरकार ने लघु, कुटीर और मध्यम उद्योगों के प्रोत्साहन और गांवों-कस्बों में सहकारी साख और कृषि सहकारी समितियों के विकास की पुन: घोषणा की है लेकिन इस बीच विडम्बना यह रही कि कोरोना अवधि की इस विकटता के कारण भारत की बड़ी आबादी पहले से गरीब हो गयी है। समाजवाद और समान आर्थिक वितरण की मुखर उद्घोषणाओं के

बावजूद देश में गरीब और सड़क पर चलते हुए आदमी की हालत और पतली हो गयी है। आर्थिक असमानता का यह हाल है कि देश के दस प्रतिशत शिखर वर्ग के पास देश की नब्बे प्रतिशत धन का कब्जा है। तुलनात्मक आंकड़े भी इस असमान व्यवस्था को तनिक भी संतोष नहीं देते कि दुनिया के अन्य बहुचर्चित देशों में धन और पूंजी का बंटवारा भी इसी प्रकार है, बल्कि महाशक्ति कहलाने वाले देशों में तो यह आर्थिक असमानता और भी बढ़ती जा रही है। हम क्यों भूल जाते हैं कि जिस आजादी के पचहतर वर्षों का अमृत महोत्सव अभी हमने मनाया, उसका मूल लक्ष्य देश के संविधान निर्माताओं ने प्रजातांत्रिक समाजवाद रखा था। राजा और रंक की बराबरी रखा था। हर हाथ को काम देने की बात कही थी और हर पेट को उसकी श्रमजनित रोटी। हालत यह हो गयी कि इस वर्ष के मई महीने तक देश में बेकारी का आंकड़ा 14.73 प्रतिशत पहुंच गया। सरकार ने इसका सामना रियायती, अनुकम्पा अनाज संस्कृति से करने का प्रयास किया। मुफ्त देने को रेवड़ी संस्कृति का नाम दिया गया है। प्रधानमंत्री से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक इससे छुटकारा पाने की बात कहते हैं। चुनाव आयोग को ऐसे नेताओं को अयोग्य करार देने के लिए कहा गया जो केवल रियायतों के बढ़े-चढ़े वादों के साथ वोट बटोरते हैं लेकिन चुनाव आयोग ने इनके लिए अपनी ऐसी किसी ताकत का इस्तेमाल करने से मना कर दिया, क्योंकि उसका काम तटस्थ चुनाव करवाना है। अब राजनीतिक दल जो रियायतों वायदों के साथ अपनी लोकप्रियता बटोरते हैं ने कहा कि जन कल्याण के लिए, वंचित वर्ग के भले के लिए कुछ कदम तो उठाने ही पड़ेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने रेवड़ी संस्कृति को खत्म करने के लिए निर्णायक सुझावों के लिए विशेषज्ञ कमेटी बनानी थी, अभी तक नहीं बनी। अब देश की संसद की ओर देखा जा रहा है कि वह इस समस्या के हल के लिए कोई दिशा-निर्देश दे। वह दिन कब आयेगा जब अनुकम्पा के स्थान पर दिन-रात उचित श्रमशीलता को इस देश का मूलमंत्र माना जायेगा। क्या इस समय कर्णधारों की मनोदशा शार्टकट समाधान पर बने रहने की है। जिस दिन देश के भाग्य विधाता इससे बाहर आकर मेहनत, समर्पण और नये मूल्यों को अंगीकार कर सकेंगे, वही देश के लिए अमृत महोत्सव के बाद नवनिर्माण पथ का पहला प्रभात होगा।

दवा उद्योग के लिए बने कड़ा कानून

जगदीश रत्नानी

यह कोई रहस्य नहीं है कि दवा उद्योग ने डॉक्टरों को दवा लिखने या मेडिकल सामान देने के बदले में 'इंसेंटिव' देने के चलन से बिक्री से जुड़ी एक समस्या खड़ी कर दी है। स्वास्थ्य क्षेत्र की कंपनियों ने डॉक्टरों और अस्पतालों को घूस देकर अपने उत्पादों की बिक्री का एक पूरा तंत्र बना दिया है। यह एक विकृत खेल है, जिससे जुड़ा कोई व्यक्ति पाक-साफ नहीं है। चिकित्सा क्षेत्र के थोड़े से लोगों ने इसके खिलाफ आवाज उठायी है, लेकिन इससे गहरी पैठ बना चुके तंत्र को रोका नहीं जा सका है। इस खेल में भारतीय कंपनियों के साथ बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी शामिल हैं। इसे गलत भी नहीं माना जाता जबकि यह बेहद खराब चलन है। इस घातक व भ्रष्ट खेल में साधारण भारतीय मरीजों को बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है।

यह तंत्र काम कैसे करता है, इसका विवरण मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव संगठनों के समूह और अन्यों द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में दायर याचिका में दिया गया है। इसके शुरू में कहा गया है कि दवा क्षेत्र में भ्रष्टाचार से स्वास्थ्य संबंधी सकारात्मक परिणामों को खतरों के कई उदाहरण हैं। डॉक्टरों और अन्य चिकित्सा पेशेवरों को फायदा या घूस देकर गैरजरूरी दवाएं देने से मरीज का स्वास्थ्य खतरे में पड़ जाता है। न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और एएस बोपन्ना की खंडपीठ द्वारा इस याचिका को स्वीकार करने तथा सरकार को अपना पक्ष रखने के लिए कहने के बाद यह मुद्दा सुर्खियों में है। याचिका में मांग की गयी है कि दवा कंपनियों द्वारा डॉक्टरों को उपहार देने और अपना प्रचार करने के बारे में वैधानिक नियम बनाये जाने चाहिए। इस सुनवाई ने डोलो नामक दवा की भारी बिक्री को सामने लाया है। यह दवा 650 एमजी की खुराक में आती है जबकि अमूमन टैबलेट की मात्रा 500 एमजी होती है। कोरोना के दौर में इसकी बिक्री ने आसमान छू लिया था। याचिका और मुद्दे से जुड़ी आम बहस में बुनियादी बात यह है कि क्या दवा उद्योग ने जनवरी, 2015 में बने कोड के तहत स्व-नियमन के लिए समुचित कदम उठाये हैं या नहीं। दूसरी बात यह है कि इसमें उद्योग के अनैतिक आचरण को रोकने की मांग की गयी है। कोड में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिवों के व्यवहार तथा प्रचार, उपहार, नगदी देने जैसे आचरणों के बारे में निर्देश हैं, लेकिन इन नियमों को कानून के सहारे लागू नहीं कराया जा सकता है। ये केवल निर्देश हैं। यह दिलचस्प है कि ऐसा लगता है कि सरकार अपने पहले के दृष्टिकोण से पीछे हट गयी है। पहले उसका विचार था कि इस कोड को अनिवार्य कर देना चाहिए। 2020 में सरकार ने संसद को बताया था कि अनैतिक आचरण से संबंधित शिकायतों की सुनवाई के लिए विभाग के पास कोई प्रावधान नहीं है तथा इस मसले को दवा संगठनों की एक नैतिक समिति द्वारा देखा जाना चाहिए। अपनी इच्छा से किये जाने वाले उपायों ने कदाचार को रोकने में कोई कारगर भूमिका नहीं निभायी है। एक भयावह महामारी के बाद एक अहम स्वास्थ्य मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया जाना यह इंगित करता है कि किस हद तक कोई सरकारी नीति कॉरपोरेट ताकत से जुड़ सकती है तथा आम नागरिकों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है।

दवा उद्योग क्षेत्र का विकास तेजी से हुआ है। भारत में इस क्षेत्र का बाजार 50 अरब डॉलर के आसपास है। इसकी शक्ति और प्रभाव केवल भारत में इसकी वृद्धि से निर्धारित नहीं होती बल्कि इसके वैश्विक विस्तार से तय होती है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, बीते आठ सालों में दवाओं के निर्यात में 10 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है। इसके परिणामस्वरूप सरकार ने इस क्षेत्र को बहुत महत्व दिया है। इस वर्ष मार्च में तीन सालों में 500 करोड़ प्रोत्साहन के रूप में देने की घोषणा की गयी थी। साथ ही यह भी सच है कि सरकार प्रमुख दवाओं और साजो-सामान की कीमतें नियंत्रित रख पाने में सफल रही है। हाल में जिस तरह से वैश्विक निर्माताओं तथा भारतीय वितरकों के भारी विरोध के बावजूद मेडिकल स्टेंट की कीमतों को नियंत्रित दायरे में लाया गया, वह इस बात का उदाहरण है कि सरकार ताकतवर समूहों के सामने खड़ी हुई है। इसके बावजूद दवाओं की मार्केटिंग में जारी कदाचार से मरीजों की परेशानी बनी हुई है तथा गलत, यहां तक कि आपराधिक रूप से दवा उद्योग और चिकित्सक व अन्य लोग भारी कमाई कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में इस क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर अधिक पेशेवर या प्रतिस्पर्धात्मक नहीं बनाया जा सकता है अगर इस तरह के व्यवहार को इसी तरह चलने दिया गया, तो इससे भारत की साख गिरेगी तथा भारतीय कंपनियों के स्तर पर सवाल उठेंगे, जबकि दवा क्षेत्र किसी अन्य उद्योग से कहीं अधिक नियमित रहा है। स्थिति नियंत्रण से बाहर हो चुकी है, विशेष रूप से ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं के मामले में।

2021 में भारत के प्रतिस्पर्धा आयोग ने जानकारी दी थी कि 'अगस्त 2019 और जुलाई 2020 के बीच दवा बाजार में 2871 फॉम्युलेशन के साथ 47,478 ब्रांड जुड़े थे यानी इसका अर्थ यह है कि हर फॉम्युलेशन के लिए औसतन 17 ब्रांड उपलब्ध थे.' ऐसी स्थिति में कंपनियों द्वारा दवा लिखने के एवज में इंसेंटिव देने तथा डॉक्टरों द्वारा इसे लेने को रोकने के लिए एक कड़ा कानून बनाने के लिए दबाव बनाया जाना चाहिए। यह कानून एक ऐसे उद्योग क्षेत्र के लिए बेहतरीन दवा होगा, जिसके भविष्य को लेकर बहुत संभावनाएं हैं, पर जिसके ऊपर कदाचार के कुछ ऐसे साये हैं, जिन पर गर्व नहीं किया जा सकता है। सरकार को इस पर गंभीरता से सोचना होगा।

दिल के कमजोर होने के ये हैं संकेत

बीमारी से पहले दिल देता है ये संकेत

फ्लोरिडा स्थित डेलरे मेडिकल सेंटर में कार्डियोथोरेसिक सर्जरी के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. जेफरी न्यूमैन के मुताबिक आमतौर पर आपके दिल की सेहत को इजेक्शन फ्रैक्शन के जरिए मापा जाता है। एक सामान्य इजेक्शन फ्रैक्शन 55 या 60 फीसदी होता है, जिसका मतलब ये है कि दिल में जितना ब्लड फ्लो हो रहा है उसका साठ फीसदी आसानी से बाहर पंप हो रहा है। इसे एक सामान्य तौर पर काम करने वाला स्वस्थ दिल माना जाएगा। वहीं, अगर आपका दिल कमजोर होने लगता है। आपको दिल का दौरा पड़ता है या आपको कोई वॉलवुलर डिसीज होती है तो आपके दिल का इजेक्शन फ्रैक्शन कम हो जाता है। उदाहरण के लिए अगर किसी मरीज का 30 प्रतिशत इजेक्शन फ्रैक्शन हो रहा है तो इसका मतलब है कि मरीज का दिल ठीक तरह से रक्त प्रवाह नहीं कर पा रहा। ये परेशानी आगे चलकर हार्ट फेल होने की वजह बनती है। किसी भी व्यक्ति के दिल का इजेक्शन फ्रैक्शन जितना कम होगा, उसे उतना ही हार्ट फेल्योर और कार्डियर अरेस्ट का खतरा होगा।

सीने में दर्द हो सकता है हार्ट डिसीज का लक्षण

अगर आप अपने बेडरूम से किचन तक जाते हैं और आपको सीने में दर्द होने लगता है। इसके बाद आप बैठ जाते हैं और रिलेक्स करने के बाद आपको बेहतर महसूस होता है तो ये भी दिल की बीमारी का लक्षण है। बार-बार आने वाली बेहोशी को नजरअंदाजर ना करें अगर आपको बार-बार बेहोशी होती है तो आपको वॉल्वुलर हार्ट प्रॉब्लम हो सकती है। रोजमर्रा के कामों के दौरान चक्कर या बेहोशी खतरनाक है। ये Aortic Stenosis रोग का एक संकेत है जिसमें आपके दिल की वाल्व सिकुड़ने लगती है।

अत्यधिक सूजन और वजन हो सकता है खतरा

डॉ न्यूमैन बताते हैं कि जब आपका ब्लड फ्लो सही नहीं होता है या आपका दिल खून को शरीर के निचले हिस्सों तक नहीं पहुँचा पाता तो आपको ये परेशानी हो सकती है। अगर आपको शरीर के निचले हिस्सों में सूजन हो रही है तो ये कमजोर दिल का एक संकेत है। डॉ न्यूमैन ने आगे बताया,समय-समय पर हर इंसान की दिल की धड़कन घटती-बढ़ती रहती है। तनाव, दौड़-भाग के काम, कसरत के साथ ही ज्यादा शराब और कैफीन लेने से आपके दिल की धड़कन सामान्य से अधिक हो जाती है लेकिन अगर आपके दिल की गति सामान्य से ज्यादा है या अक्सर दिल की धड़कन घटती-बढ़ती है तो आपको तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

सरकारी हेल्थ एजेंसी सेंटर फॉर डिसीस कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुताबिक दुनियाभर में दिल की बीमारियों से हर साल लाखों महिलाओं और पुरुषों की मौत होती है और ये यहां होने वाली मौतों की एक प्रमुख वजह है। भारत में भी ये आंकड़ा काफी बड़ा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, देश में हर साल कार्डियोवैस्कुलर डिसीज (CVD) के मरीजों की संख्या बढ़ रही है और मौतों के आंकड़ों में भी तेज इजाफा हुआ है। डराने वाली बात ये है कि हाल के कुछ सालों में भारत में 18 से 30 साल के युवाओं को हार्ट डिसीस ने घेरा है, जिसकी वजह से उन्हें अपनी जान भी गंवानी पड़ी है। दिल की बीमारियों के अधिकांश मामले खराब जीवनैशली से जुड़े होते हैं। धूम्रपान, शराब और नियमित रूप से व्यायाम नहीं करने से इस बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक, 80 फीसदी दिल की बीमारियों से बचा जा सकता है। इसके लिए आपको बस उन संकेतों को जानना होगा जो आपके दिल को परेशानी में डाल सकते हैं। इसके बाद आप अपने बाकी शरीर की तरह ही अपने दिल की भी देखभाल कर पाएंगे।

ऐसे कम करें हृदय रोग का जोखिम

डॉ. न्यूमैन बताते हैं, सामान्य तौर पर लोग अपने स्वास्थ्य की फिक्र करते हैं लेकिन अपने दिल की सेहत को लेकर इतने जागरुक नहीं होते। वो उसे नजरअंदाज करके चलते हैं। खराब खान-पान, मोटापा, व्यायाम की कमी, आलस या शारीरिक तौर पर मेहनत ना करने की आदतें दिल पर बुरा असर डालती हैं। दिल की सेहत काफी हद तक हमारी जीवनशैली से जुड़ी है। जीवनशैली को सुधारकर इससे बचा जा सकता है। हमारे पास ऐसे कई मरीज आते हैं जिनकी डायबिटीज बढ़ी होती है या ब्लड शुगर कंट्रोल के बाहर होता है। इसके साथ ही वो स्मोकिंग और कोई फिजिटकल एक्टिविटी नहीं करते। उम्र बढ़ने के साथ भी एक तरह से वो सेहत को दरकिनार करते हुए चलते हैं। इसके बाद जैसे ही वो 50, 60 या 70 की उम्र तक पहुँचते हैं उनका शरीर बिगड़ने लगता है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि आप हमेशा जिंदा रहेंगे लेकिन आप खुद का ख्याल रखकर अपनी जिंदगी को बेहतर बना सकते हैं।

सांस लेने में कठिनाई दिल की बीमारी का संकेत

डॉ. न्यूमैन के अनुसार, अपने सामान्य जीवन में अगर आपकी अपने बेडरूम से किचन तक जाते हुए सांस फूलने लगती है और आपको किसी जगह रुककर या बैठकर सांस लेनी पड़ती है तो ये संकेत है कि आपका दिल कमजोर हो रहा है। ये एक शुरुआती संकेत है जो बताता है कि आपका दिल ठीक से ब्लड फ्लो नहीं कर रहा है और खून आपके फेफड़ों में ठीक तरह से पंप नहीं हो रहा है।

हंसना मना है

दारू पीकर पति रात घर पहुंचा, तो पत्नी हाथ में झाड़ू लेकर सामने खड़ी थी पति: कितना काम करेगी तू। ला ये झाड़ू मुझे दे दे, रात के दो बजे हैं, सोना नहीं है क्या? कुछ तो अपना ख्याल कर पगली, सुनते ही पत्नी को आ गई हंसी इस तरह चालाकी से बच गया पति.....!

मेहमान: और बताओ बेटा आगे का क्या प्लान है... बच्चा: बस आपके जाते ही बिस्कुट खाऊंगा... वैसे भी नमकीन और मेवा तो आपने छोड़ी नहीं है....

पति (किताब पढ़ते हुए)एक लेखक ने लिखा है कि पतियों को भी बोलने की आजादी होनी चाहिए... पत्नी (हंसते हुए): देखो वो भी बेचारा लिख ही पाया, बोल नहीं पाया...!!!

प्रेमी: बेवफा तूने दिल जला दिया मेरा दिल जलाकर राख कर दिया। प्रेमिका: तेरी कुर्बानी बेकार नहीं जाएगी भेज दे राख, बर्तन मांजने के काम आएगी।

बैंक मैनेजर: ये कैसे हस्ताक्षर हैं? टोलू: यह हस्ताक्षर मेरी दादी के हैं। बैंक मैनेजर: ऐसा अजीब हस्ताक्षर? नाम क्या है उनका? टोलू: जलेबी बाई।

संता स्कूल में गधा लेकर आया... टीचर: यह क्यों लेकर आए हो? संता: मैम, आप ही तो कहती हो कि मैंने बड़े से बड़े गधों को इंसान बनाया है, तो मैंने सोचा कि इसका भी भला हो जाए..

कहानी — सच्ची शिक्षा

प्रवीण नाम का एक छोटा लड़का था। उसे तरह-तरह की युद्ध-कलाएं सीखने का बहुत शौक था। उसने एक योद्धा का बहुत नाम सुना था। लोग कहते थे कि उनके जैसा तलवार चलाने वाला आज तक नहीं हुआ। प्रवीण के मन में इच्छा हुई कि उनके पास जाकर तलवार चलाने की शिक्षा ली जाए। वह उस शहर की ओर चल पड़ा, जहां वे रहते थे। प्रवीण ने योद्धा के पास जाकर विनती की कि वे उसे शिष्य बना लें। योद्धा ने उसकी प्रार्थना स्वीकार कर ली। उन्होंने प्रवीण से कहा कि तलवारबाजी सीखने के कुछ नियम हैं। उसे उन नियमों का पालन करना होगा। प्रवीण ने स्वीकार कर लिया। अगले दिन से योद्धा ने उसे समझा दिया कि उसे घर के क्या-क्या काम करने होंगे ? प्रवीण सुबह से शाम तक सफाई, झाड़ू-पोंछ, कपड़े धोना, बर्तन साफ करना यही सब करता रहता था। ऐसा करते हुए काफी दिन बीत गए। लेकिन योद्धा ने तलवारबाजी सिखाने का नाम तक नहीं लिया। धीरे-धीरे प्रवीण का मन उखड़ने लगा। हर दिन वह इंतजार करता था कि शायद आज कुछ शुरुआत होगी, लेकिन जब ऐसा नहीं हुआ तो वह योद्धा के पास गया और बोला, श्रीमान मेरी शिक्षा कब आरंभ होगी? उसके गुरु ने कुछ नहीं कहा और चले गए। प्रवीण को बहुत अजीब लगा। अगले दिन जब वह कपड़े धो रहा था तो किसी ने आकर जोर से उसकी पीठ पर लकड़ी से वार किया। उसने मुड़कर देखा तो उसके गुरु लकड़ी की एक तलवार लेकर जल्दी से दूसरी ओर जा रहे थे। उसे बड़ा आश्चर्य हुआ कि उन्होंने ऐसा क्यों किया? उसके बाद ऐसी घटनाएं अक्सर होने लगीं। प्रवीण अब किसी भी प्रहार के लिए तैयार रहने लगा। वह हरदम सतर्क रहने लगा। यहां तक कि सोते समय भी वह आसपास का ध्यान रखने लगा। धीरे-धीरे उसने अपना बचाव करना सीख लिया। एक दिन गुरूजी तन्मयता से कुछ लिखने में व्यस्त थे। प्रवीन के मन में एक अजीब खयाल आया। वह गुरु पर वार करने के लिए उनकी ओर दबे पांव आया। वह देखना चाहता था कि वे किस प्रकार से अपना बचाव करते हैं। उसने तलवार उठाई और जोर का एक प्रहार किया। लेकिन उसके गुरु हर पल इस तरह के प्रहार से बचने के लिए तैयार थे। उनके पास एक ढाल रखी थी। उन्होंने तुरंत वह ढाल उठाई और अपने आपको प्रहार से बचा लिया। प्रवीण आश्चर्य से देखता रह गया। उसने अपने बचाव की एक नई विधि सीख ली थी। उसने गुरु से कहा, श्रीमान मैं समझ गया हूं कि मेरी शिक्षा आरंभ हो चुकी है। योद्धा ने कहा कि हाँ पुत्र, अच्छा तलवारबाज होने का मतलब यह नहीं है कि आप अपने प्रतिद्वंद्वी से अच्छी तलवार घुमाएं बल्कि सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है- आत्मरक्षा यानि कि किसी भी प्रहार से अपनी रक्षा करना। हमें सामने वाले के विचारों को पढ़ना आना चाहिए। प्रवीण ने काफी दिनों तक मन लगाकर शिक्षा ग्रहण की और तलवारबाजी में प्रवीण होकर अपने देश की सेवा की।

5 अंतर खोजें

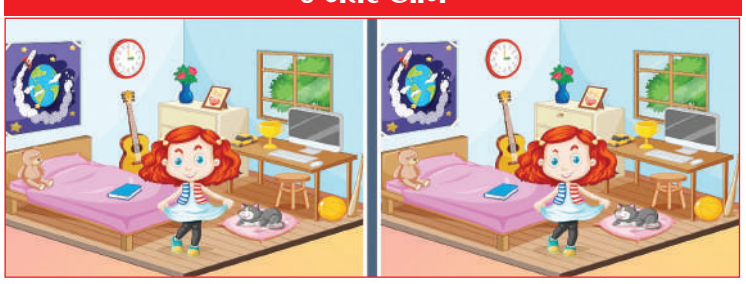

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — जरूरत से ज्यादा वक्त व पैसा मनोरंजन पर खर्च न करें। बच्चों से असहमति के चलते वाद-विवाद हो सकता है और यह झुंझलाहट भरा साबित होगा। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं।

वृषभ — आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। कोई सोचा हुआ काम आज पूरा हो जायेगा। इस राशि के छात्रों के लिये आज का दिन करियर में नया बदलाव लायेगा। सेहत बेहतर बनी रहेगी।

मिथुन — यात्रा मनोरंजक रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के जरिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। निवेश करने से पहले भली-भांति जाँच-पड़ताल कर लें।

कर्क — आप ऐसे स्रोत से धन अर्जित कर सकते हैं, जिसके बारे में आपने पहले सोचा तक न हो। आप महसूस करेंगे कि दोस्त सहयोगी स्वभाव के हैं- लेकिन बोलने में सावधानी बरतें। प्रेम निःसीम होता है।

सिंह — आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज आपको कुछ कामों में किसी अनुभवी से मदद मिल सकती है। आज परिवार के साथे कहीं घूमने जा सकते हैं। आज पैसों के लेन-देन से दूर रहें।

कन्या — सुरक्षित महसूस करेंगे। संतान की चिंता दूर होगी, रुके हुए काम बनेंगे शारीरिक स्वस्थता तथा मानसिक प्रफुल्लिता का अनुभव होगा। किसी से आंखें चार होनी की संभावना है।

तुला — आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं- लोगों को दिए पुराने कर्ज वापस मिल सकते हैं। या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं।

वृश्चिक — दिन उत्तम रहेगा। आज पारिवारिक मतभेद खत्म हो सकते हैं, जिससे रिश्तों की नये सिरे से शुरूआत कर सकते हैं। आज थोड़ी-सी मेहनत करके उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

धनु — आर्थिक चिंता हल होने की संभावना है। ऐसे लोगों से जुड़ने से बचें जो आपकी प्रतिष्ठा को आघात पहुंचा सकते हैं। पुराने दोस्त से मनमुटाव दूर होगा। धर्म-कर्म की आस्था बढ़ेगी।

मकर — ज्योतिषीय सलाह आपकी सेहत के लिए काफी उपयोगी रहेगी। वित्तीय अनिश्चितता आपको मानसिक तनाव दे सकती है। घरेलू मोर्चे पर समस्या खड़ी हो सकती है, इसलिए तोल-मोल कर ही बोलें।

कुम्भ — आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। घर में किसी धार्मिक समारोह का आयोजन कर सकते हैं, जिससे घर में सुख-सौभाग्य बना रहेगा। इस राशि के पर्यटन से जुड़े लोगों को धनलाभ हो सकता है।

मीन — पैसों के संबंध में बड़े फैसले के लिए किसी से सलाह लेनी पड़ सकती है। कारोबार में इजाफा होगा। आमदनी के नए माध्यम नजर आएंगे। किसी पुराने प्रोजेक्ट या काम को शुरू करने के लिए आज का दिन शुभ है।

बॉलीवुड | मन की बात

आशिकी 3 में काम करना किसी सपने के सच होने जैसा : कार्तिक आर्यन

भूल भुलैया-2 की सक्सेस के बाद कार्तिक आर्यन को कई फिल्मों के ऑफर मिल रहे हैं। अब हाल ही में खबरें आ रही हैं कि कार्तिक ने आशिकी 3 के लिए अनुराग बसु संग हाथ मिलाया है। इस मच अवेटेड फिल्म से बॉलीवुड के कई बड़े सितारों का नाम सामने आ रहा था, लेकिन अब फाइनली कार्तिक को यह फिल्म मिल गई है। कार्तिक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर इस बात की जानकारी दी है। कार्तिक ने इसके कैप्शन में लिखा कि बसु दा के साथ मेरी पहली फिल्म आशिकी 3। हालांकि अभी तक मेकर्स ने फिल्म के लिए लीड एक्ट्रेस के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। यह एक लव स्टोरी होगी, जो अभी तक पर्दे पर दिखाई गई सभी फिल्मों से अलग होगी। कार्तिक ने वैरायटी से बात करते हुए बताया कि टाइमलेस क्लासिक आशिकी एक ऐसी फिल्म है, जिसे देखकर मैं बड़ा हुआ हूं और आशिकी 3 में काम करना किसी सपने का सच होने जैसा है। मैं इस मौके के लिए भूषण कुमार और महेश भट्ट के साथ कोलाब्रेट करने के लिए खुद को खुशकिस्मत फील कर रहा हूं। मैं अनुराग के काम का बहुत बड़ा फैन रहा हूं और अब उनके साथ काम करने से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिलेगा। राहुल रॉय और अनु अग्रवाल स्टारर आशिकी 1990 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को महेश भट्ट ने डायरेक्ट किया था। फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी और आज भी इसके सॉन्ग्स हमारे दिलों पर राज करते हैं। 2013 में इस फिल्म का सीक्वल आशिकी 2 मोहित सूरी ने डायरेक्ट किया था। श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर स्टारर फिल्म भी लोगों को काफी पसंद आई थी और हिट हुई थी।

'किसी का भाई किसी की जान'

सलमान खान का फर्स्ट लुक टीजर देख फैंस हैरान

बॉलीवुड | मसाला

सलमान खान ने दुनियाभर में अपने फैन्स को एक बड़ा सरप्राइज दिया है। इस सुपरस्टार ने अपनी मोस्ट अवेटिड फिल्म किसी का भाई किसी की जान में अपने लुक का एक वीडियो पोस्ट किया है। इस अनाउंसमेंट वीडियो को जारी की फिल्म से जुड़ी बाकी हस्तियों को टैग भी किया है। सुपरस्टार सलमान खान ने 26 अगस्त को इंडस्ट्री में 34 साल पूरे होने की खुशी के मौके पर अपनी अगली फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' की एक छोटी सी झलक देकर फैन्स का दिल जीत लिया था। अब सलमान ने फिल्म से अपने इस नए लुक में 59 सेकंड का एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में सलमान खान को बाइक पर सवार होकर सुनसान इलाके में एंट्री करते हुए नजर आ रहे हैं। और फिर उनके सिग्नेचर ब्रेसलेट की झलक दिखाई जाती है। वीडियो में ग्लासिस चढ़ाए सलमान का राउडी रफ एंड टफ लुक बेहद शानदार नजर आ रहा है। बता दें सलमान वीडियो में एक क्रूजर मोटरसाइकिल की राइड लेते हुए और लद्दाख वैली में घूमते हुए दिखाई दे रहे हैं। ट्रेडमार्क सनग्लासेस के साथ सलमान खान का लॉन्ग हेयर लुक उनके सस्पेंस से भरे किरदार के लिए और उत्सुकता बढ़ाता नजर आ रहा है। इस टीजर वीडियो को सलमान खान ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, 'किसी का भाई किसी की जान।' उनके प्रोडक्शन हाउस, सलमान खान फिल्म्स ने भी इस वीडियो को साझा किया, जिसमें लिखा गया है कि अभी तो बस शुरुआत है। इस फिल्म की शूटिंग की शुरुआत के बाद से फिल्म अपने टाइलट और कास्ट को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रहीं थी। लेकिन फिल्म की स्टारकास्ट और टाइटल को लेकर सलमान ने पोस्ट में ही सभी अटकलों को साफ कर दिया है।

अब महेश भट्ट पर भड़कीं कंगना

कंगना रनोट इंडस्ट्री में हमेशा अपने बेबाक बयानों की वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। अब एक बार फिर उन्होंने महेश भट्ट पर तंज कसा है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट से महेश के पुराने वीडियोज शेयर करते हुए कहा कि उनका असली नाम असलम है। वह अपने इस खूबसूरत नाम को क्यों छिपा रहे हैं। दरअसल, महेश वीडियो में कह रहे हैं कि डरा हुआ आदमी मुसलमान नहीं हो सकता। महेश भट्ट का यह वीडियो जमीएत एहले हदीस, मुंबई के एक कार्यक्रम का है। इसे शेयर करते हुए कंगना ने लिखा- महेश बड़ी शालीनता भरे अंदाज में लोगों को हिंसा के लिए भड़का रहे हैं। दरअसल, वीडियो में महेश कह रहे हैं कि भाई जरा अपनी शिद्दत को जगाइए। मैंने जितना भी इस्लाम के बारे में पढ़ा है, मुझे एक ही बात समझ में आई है कि डरा हुआ आदमी मुसलमान नहीं हो सकता। वीडियो में महेश ने आगे कहा, जहां डर है वहां इस्लाम नहीं और जहां इस्लाम है वहां डर नहीं। जैसे जहां रोशनी होती है वहां अंधेरा नहीं हो सकता। एक हदीस मुझे मेरे अजीज दोस्त महमूद मदनी साहब ने लिखवाई थी जो मेरे कंप्यूटर पर है। ये हदीस पढ़ने के बाद महेश भट्ट ने इसे हिंदी में अनुवाद करते हुए कहा- मदद कर।

अजब-गजब | आज तक नहीं चला इसके बारे में किसी को पता

50 साल पहले आसमान से ही गायब हो गया था ये शख्स

दुनिया भर से ऐसी तमाम खबरें आती हैं, जिन पर हमें एक बार तो यकीन नहीं होता कि कहीं ऐसा भी हुआ होगा। लेकिन बाद में हमें यकीन करना पड़ा है। ऐसा ही कुछ हुआ था 48 साल पहले अमेरिका में। जब एक आदमी आसमान में ही गायब हो गया और उसका रहस्य आज भी वैसा ही बना हुआ है। दरअसल, साल 1971 में सूट-बूट पहनकर एक शख्स अमेरिका के एक एयरपोर्ट पर पहुंचा था। उसके हाथ में काले रंग का बैग था। एयरपोर्ट के काउंटर पर उसने सीएटल जाने वाली फ्लाइट का टिकट लिया। वहां उसने अपना नाम डैन कपूर बताया। लेकिन उसका नाम ये नहीं था, लेकिन लोग आज भी उसे डीबी कपूर के नाम से जानते हैं।

टिकट लेने के बाद वह शख्स फ्लाइट की ओर चला गया। उसके विमान का नाम बोइंग 727 था। उसे विमान में सबसे पीछे वाली सीट मिली। वह सीधे जाकर अपनी सीट पर बैठ गया। बाकी यात्रियों की तरह उसने अपना बैग ऊपर ना रखकर अपने पास ही रखा। विमान ने जैसे ही एयरपोर्ट से उड़ान भरी डीबी कूपर ने अपना काम शुरू कर दिया। उड़ान के बाद कपूर ने फ्लाइट अटेंडेंट को एक कागज का टुकड़ा दिया। ऐसा माना जाता है कि तब फ्लाइट अटेंडेंट को लगा कि वह कोई बिजनेसमैन है और उसे अपना नंबर दे रहा है। हालांकि अटेंडेंट ने उस कागज को ले लिया, लेकिन उसे पढ़ते ही वो सन्न रह गई। क्योंकि कागज के उस टुकड़े पर लिखा था, मेरे पास बम है। कपूर ने फ्लाइट अटेंडेंट को अपना बैग खोलकर भी दिखाया, जिसमें

सचमुच एक बम था। इसके बाद कपूर ने उसे अपनी सारी शर्तें बताई और कहा कि विमान को नजदीकी एयरपोर्ट पर लैंड कराया जाए और उसमें फिर से ईंधन भरा जाए। इसके साथ ही उसने दो लाख डॉलर (वर्तमान में करीब एक करोड़ 36 लाख रुपये) और चार पैराशूट की मांग की। उसके बाद फ्लाइट अटेंडेंट सीधे पायलट के पास पहुंची और उसे सारी बात बताई। इसके बाद पायलट ने तुरंत विमान हाइजैक और कूपर की मांगों के बारे में सिएटल के एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचना दी। उसके बाद हर तरफ अफरातफरी मच गई। इसकी सूचना पुलिस और एफबीआई को भी दी गई। यात्रियों की जान पर खतरा मंडराता देख अमेरिकी सरकार ने उसकी सभी मांगे मान ली। और दो लाख डॉलर से भरे बैग उसके पास विमान में पहुंचा दिए गए, लेकिन उससे पहले एफबीआई ने उन नोटों के नंबर नोट कर लिए, ताकि हाइजैकर को पकड़ा जा सके। हर कोई इस बात से अंजान था कि कपूर अब क्या करने वाला है। सरकार ने जब कपूर की सारी मांगें पूरी कर दीं तो उसने पायलट को विमान उड़ाने के लिए कहा। रात का समय था और उसने पायलट को विमान मैक्सिको ले जाने के लिए कहा। उधर, अमेरिकी एयरफोर्स ने भी अपने दो विमान उसके पीछे लगा दिए। ताकि लैंडिंग के वक्त कपूर को पकड़ा जा सके। जब विमान हवा में था तभी कपूर ने यात्रियों को कॉकपिट में जाने को कहा साथ ही हिदायत दी कि अंदर से दरबाजा बंद कर लिया जाए। इसके थोड़ी ही देर के बाद पायलट को विमान में हवा के दबाव में फर्क महसूस हुआ। जब को-पायलट ने बाहर जाकर देखा तो विमान का दरवाजा खुला हुआ था। उसने तुरंत जाकर दरवाजा बंद किया और कूपर को पूरे विमान के अंदर ढूंढा, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। वह हवा में ही विमान से नीचे कूद चुका था। एयरपोर्ट पर उतरने के बाद विमान को चारों तरफ से घेर लिया। हर किसी को उम्मीद थी कि कपूर को पकड़ लिया जाएगा। लेकिन वह आसमान में विमान से फरार हो चुका था। हर कोई यह जानकर हैरान था कि आखिर कूपर ने ऐसा कब किया। यहां तक कि उस विमान के साथ-साथ चल रहे अमेरिकी एयरफोर्स के विमानों के पायलटों को भी इसके बारे में कुछ पता नहीं चला। कूपर को हर जगह तलाश की गई, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। यही नहीं 48 साल बीत जाने के बाद भी कपूर का गायब होना रहस्य बना हुआ है। तस्वीर के नाम पर भी उसकी बस एक स्केच है। उसकी असली तस्वीर भी किसी के पास नहीं है और ना ही किसी को यह पता है कि वो कौन था, कहां से आया था और क्यों ऐसा किया था?

यहां नवंबर में शादी करने के नाम से घबराते हैं लोग

ज्यादातर लोगों की ख्वाहिश होती है कि जब उनकी शादी हो तो मौसम भी सुहावना होना चाहिए। जिससे कि वह ही नहीं बल्कि उनके याद-दोस्त भी उनकी शादी को दिल खोल कर एंजॉय कर सकें। इसके लिए सभी का पसंदीदार महीना नवंबर का होता है। क्योंकि नवंबर के महीने में न तो सर्दी होती है और ना ही गर्मी, जिससे लोगों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होती। लेकिन हर किसी के लिए नवंबर का महीना शादी के लिए अच्छा ही होता होगा, ये बात बिल्कुल सही नहीं है। क्योंकि आज हम आपको एक ऐसे स्थान के बारे में बताने जा रहे हैं जहां के लोग नवंबर के महीने में शादी करने के नाम से ही घबराते हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं जिम्बाब्वे के बारे में। जहां मान्यता है कि नवंबर के महीने में शादी करने से पति-पत्नी के बच्चे नहीं होते। इसके अलावा एक मान्यता यह भी है कि नवंबर महीने में शादी करने से पति-पत्नी के बीच सबकुछ सही नहीं चलता। मान्यता के मुताबिक, नवंबर महीने में शादी करना आमतौर पर तलाक तथा प्रेग्नेंसी में नाकामी जैसे दुर्भाग्यों को आमंत्रित करना है। यह प्रथा काफी सालों से चली आ रही है। इस प्रथा पर जिम्बाब्वे में रहने वाले शोना कम्युनिटी के लोग विश्वास करते हैं। यह कम्युनिटी आमतौर पर दक्षिण अफ्रीका तथा खासकर जिम्बाब्वे में रहते हैं। लोगों का मानना है कि नवंबर महीने में यहां पर बारिश होती है। इस कारण वनस्पतियों तथा जीवों के विकास के लिये यह महीना काफी अहम होता है। जबकि कुछ लोगों में मान्यता है कि रीति-रिवाजों के लिए यह बेहद पवित्र महीना है। इस कारण किसी भी तरह का शोर-शराबे वाला समारोह इस महीने में आयोजित नहीं किया जाता। हालांकि यहां रहने वाला इसाई समुदाय इस पवित्र महीने पर प्रतिबंध के खिलाफ है। जबकि ब्लैक नवंबर का मुद्दा कई लोगों के परंपरा और सांस्कृतिक मान्यताओं से जुड़ा है। इसे मानना लोगों की इच्छा पर निर्भर है। माना जाता है कि शादी की दावत में बकरे-बकरियों के मांस की मांग तेज हो जाती है, जबकि नवंबर महीना उनके प्रजनन के लिए मुफीद होता है। इस कारण भी इस समुदाय के लोग इस दौरान शादी न करने की सलाह देते हैं। कुछ बुजुर्ग लोग तथा इस मान्यता की वजह से कथित तौर पर प्रभावित लोगों का कहना है कि जो लोग बात नहीं मानते उनको भविष्य में ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। एक पीड़ति ने बताया कि उनकी भाई की शादी आठ साल पहले नवंबर के महीने में ही हुई थी। इसके बाद अब तक उन्हें कोई संतान नहीं हुई।

भाजपा राज में अपराधी बेखौफ जनता असुरक्षित : अखिलेश

» सत्ता संरक्षण में भाजपा नेता कर रहे वारदात

» हर माह हो रही एक हत्या पुलिस बनी मूकदर्शक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में हर तरफ हत्या, लूट, अपहरण और दुष्कर्म हो रहे हैं। महिलाओं का सड़क पर निकलना मुश्किल हो गया है। व्यापारियों को लगातार बेखौफ अपराधी निशाना बना रहे हैं। सत्ता संरक्षण में भाजपाई नेता भी खुलकर अपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। खुद पुलिस कर्मियों के परिवार भी सुरक्षित नहीं। भाजपा सरकार में उत्तर प्रदेश की धरती रक्तरंजित हो चली है।

उन्होंने कहा कि भाजपा राज में व्यापारी सर्वाधिक असुरक्षित हैं। हरदोई का कपड़ा व्यापारी लापता है। पुलिस खानापूरी करती रही नतीजा नहर में उसका शव मिला। घर से दो किलोमीटर दूर उसकी बाइक और कपड़े मिलने पर पुलिस की नींद खुली। एटा के जलेसर में 50 लाख की फिरौती नहीं मिलने पर सर्राफा कारीगर की हत्या कर दी गई। भोगांव में सर्राफ के मकान में कई लाख की लूट हो गई। हर माह में एक हत्या का रिकॉर्ड बना है। महिलाएं कैसे सुरक्षित रह सकती हैं जब सत्ता के नशे में चूर भाजपाई ही खुलेआम छेड़छाड़ करते मिलते हैं। बागपत में भाजपा नेता ने महिला चिकित्सा अधिकारी से छेड़छाड़ की। पुलिस मूकदर्शक की भूमिका में दिखाई दी क्योंकि मामला सत्ताधारी दल का था। मुरादाबाद में एक युवती से दुष्कर्म के बाद अश्लील फोटो वायरल होने से क्षुब्ध युवती ने जान दे दी। खुद पुलिसकर्मियों के परिवार भी सुरक्षित नहीं हैं। लखनऊ में एक पुलिसकर्मी की बेटी ने शोहदों के डर से स्कूल जाना छोड़ दिया। जब पुलिस वाला ही न्याय की गुहार कर रहा हो तो जनसामान्य का क्या हाल होगा? उन्होंने कहा कि अपराधी कितने बेखौफ हैं, भाजपा समर्थित खनन माफियाओं की दबंगई से जाहिर है। उन्हें पुलिस का खौफ है, न कानून का डर है। आगरा में माफिया बिना टोलटैक्स चुकाए हाईस्पीड में बैरियर तोड़ते हुए आधा दर्जन से ज्यादा ट्रैक्टर निकाल ले गए। मुख्यमंत्री इतनी घटनाएं होने पर भी कानून के राज का दावा करते नहीं थकते हैं।

पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी पर दर्ज होगा गैंगस्टर का केस!

» फाइल तैयार कर डीएम के पास भेजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। बसपा नेता और पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी समेत 17 आरोपियों के खिलाफ कठौर पुलिस चार्जशीट कोर्ट में जमा कर चुकी है। उसके बाद खरखौदा पुलिस ने याकूब, उनकी पत्नी शमजिदा, बेटे इमरान और फिरोज की अपराधिक हिस्ट्री निकाली। उनके खिलाफ दर्ज मुकदमे में हुई कार्रवाई का ब्योरा बनाकर फाइल तैयार की गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक अवैध कमाई से इनकी आर्थिक स्थित मजबूत हुई है इसलिए उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा दर्ज कर अर्जित की गई अवैध संपत्ति को 14ए के तहत जब्त कर लिया जाए। गैंगस्टर की फाइल डीएम दीपक मीणा के आफिस में अनुमोदन के लिए भेज दी गई। डीएम से अनुमति मिलने के बाद याकूब के परिवार पर गैंगस्टर एक्ट का मुकदमा दर्ज किया जाएगा। पुलिस ने 31 मार्च को याकूब कुरैशी के बेटे इमरान की खरखौदा स्थित मीट फैक्ट्री पर दबिश दी थी और 17 के खिलाफ केस दर्ज किया था।

राहुल से मिले नीतीश, बोले पीएम बनने की इच्छा नहीं

» विपक्ष को एकजुट करने दिल्ली पहुंचे बिहार के सीएम

» भाजपा पर साधा निशाना पूछा, हो रहा है कौन सा विकास कर काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। भाजपा से नाता तोड़ने के बाद 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव में विपक्ष को एकजुट करने के इरादे से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सोमवार को दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि अगर विपक्ष एकजुट होगा तो अच्छा माहौल बनेगा। मेरी प्रधानमंत्री बनने की कोई इच्छा नहीं है।

उन्होंने कहा कि देश में कौन सा विकास का काम हो रहा है। सब एकतरफा हो रहा है। क्षेत्रीय दलों के साथ क्या किया जा रहा है, ये सबको पता है। विपक्ष की पार्टियां एकजुट हो जाएंगी तो लोक सभा 2024 चुनाव पर असर पड़ेगा। सूत्रों के मुताबिक, नीतीश ने राहुल से 2024 के लोक सभा चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई। इसके बाद कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने दिल्ली में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। राहुल गांधी और नीतीश कुमार ने मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा की। इसके साथ ही दोनों के बीच विपक्षी एकजुटता की दिशा में आगे बढ़ने को लेकर भी बात की। भाजपा का साथ छोड़ने और राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस एवं वाम दलों के साथ मिलकर बिहार में सरकार बनाने के बाद नीतीश पहली बार दिल्ली पहुंचे हैं। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से दोनों नेताओं की तस्वीरें साझा कीं। पार्टी ने लिखा कि आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राहुल गांधी से उनके दिल्ली निवास पर मुलाकात की।

आफसा पर लगे गैंगस्टर केस पर हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इलाहाबाद। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुख्तार अंसारी की पत्नी पर लगे गैंगस्टर एक्ट पर राज्य सरकार से दो हफ्ते में जवाब मांगा है। यह आदेश जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्र और जस्टिस शिव शंकर प्रसाद की खंडपीठ ने दिया है।

याची आफसा अंसारी का कहना है कि उनके खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में दर्ज कराई गई प्राथमिकी विधि विरुद्ध है। आफसा पर, मऊ के दक्षिणी टोला पुलिस थाने में 31 जनवरी 2022 को गैंगस्टर एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी जिसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी. जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को पुनर्विचार करने का निर्देश दिया था। उसी क्रम में इलाहाबाद हाईकोर्ट में दोबारा याचिका दाखिल की गई। इस पर कोर्ट ने सरकार से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 26 सितंबर को होगी।

दिल्ली की शराब नीति में हुआ कमीशन का खेल : संबित पात्रा

» भाजपा प्रवक्ता ने जारी किया शराब घोटाले पर स्टिंग ऑपरेशन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। दिल्ली सरकार की नयी आबकारी नीति को लेकर मचा सियासी घमासान लगातार बढ़ता जा रहा है। भाजपा केजरीवाल सरकार को घेर रही है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि आप कट्टर भ्रष्टाचारी पार्टी है। दिल्ली में शराब नीति से कमीशन का खेल हुआ। कमीशन लेकर राजस्व को नुकसान पहुंचाने का काम किया गया। सिसोदिया और केजरीवाल के मित्रों को इससे काफी फायदा हुआ। लोग मोटी दलाली देने के लिए केजरीवाल के पास जाते थे।

उन्होंने मीडिया में एक वीडियो जारी करते हुए दावा किया कि उस व्यक्ति का स्टिंग सामने आया जिसने सिसोदिया को पैसै दिए। मनीष सिसोदिया ने शराब नीति से काफी पैसा कमाया। हमने केजरीवाल से पांच सवाल पूछे लेकिन जवाब एक का भी नहीं मिला। केजरीवाल से पूछा कि नई शराब नीति में क्या खराबी थी? पुरानी शराब नीति क्यों बदली? भाजापा सांसद मनोज तिवारी ने स्टिंग से जुड़ा एक वीडियो ट्विटर पर भी पोस्ट किया है। भाजपा नेता ने कहा कि आम आदमी पार्टी ने देश को लूटने का काम किया है। मनीष सिसोदिया को बर्खास्त करने की मांग करते हुए उन्होंने कहा कि शराब बिक्री में 80 फीसदी फायदा केजरीवाल और सिसोदिया के दोस्तों को हुआ है। कुछ लोगों से 150 करोड़ रुपये तक कमीशन लिया गया। नई शराब नीति के बाद इन्होंने खुली लूट मचाई।

नहीं बदल रहा गोदी मीडिया का लहजा!

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश के बड़े-बड़े चैनलों ने इस दौर में जो रूख दिखाया है उसने जनता को हैरान कर दिया। मीडिया सत्ता से सवाल पूछने की जगह विपक्ष से पूछ रहा है। दिन भर हिंदू मुसलमान का झगड़ा लगवाने की कोशिश करने लगा तभी लोगों ने उसे गोदी मीडिया कहना शुरू कर दिया। देश के खराब हालात हो रहे है इस गोदी मीडिया के कारण पर यह कैसे सुधरे। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, उत्कर्ष सिन्हा, प्रो. रविकांत, प्रो. लक्ष्मण यादव, किसान नेता डॉ. सुनीलम और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

उत्कर्ष सिन्हा ने कहा कि नरेंद्र मोदी एक बिजनेस प्रोडेक्ट है। 2014 में जब वे आ रहे थे तो उसके पहले चहेते कॉरपोरेट ने मीडिया में बड़ा इन्वेस्टमेंट किया। और जब इन्वेस्टमेंट किया तो उनकी ही चलेगी। डॉ. सुनीलम ने कहा, गोदी मीडिया ने किसान आंदोलन की तस्वीर बिगाड़ने की कोशिश की लेकिन सफल नहीं हुआ। सोशल मीडिया की एक ताकत थी, जो उसने दिखा दिया था कि किसान आंदोलन क्या है? अशोक वानखेड़े ने कहा कि जब पीएम मोदी का इंटरव्यू बॉलीवुड के अक्षय कुमार ले रहे हैं तो स्क्रिप्ट के ही हिसाब से सवाल पूछे होंगे। तो जो पत्रकार हैं, उनकी हिम्मत नहीं सवाल पूछने की। सवाल के कैरेक्टर होते हैं मगर अब कैरेक्टर तो खुद गढ़े जा रहे हैं।

प्रो. रविकांत ने कहा कि एक रिपोर्ट जो आई है, उसमें 2010 से 2020 तक करीब 154 पत्रकार गिरफ्तार हुए हैं उसमें से 40 फीसदी गिरफ्तारी 2020 में हुई है। पत्रकार मिड डे मिल की खबर चला दे तो गिरफ्तार कर लिया जाता है। सत्ता के सामने पत्रकारिता को गिरवी रख दिया गया है। कुछ पत्रकार सिस्टम से लड़ रहे हैं। परिचर्चा में प्रो. लक्ष्मण यादव ने भी विचार रखे।

कार में बैठे सभी लोगों को सीट बेल्ट पहनने की जरूरत : गडकरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मशहूर उद्योगपति साइरस मिस्त्री की सड़क हादसे में मौत के बाद सेफ्टी फीचर्स पर सवाल खड़े हो रहे हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से जब देश में होने वाले सड़क हादसों को लेकर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि देश के लोगों को सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए मानसिकता बदलने की जरूरत है। गडकरी ने इस दौरान चार मुख्यमंत्रियों के साथ कार में सफर का किस्सा भी सुनाया।

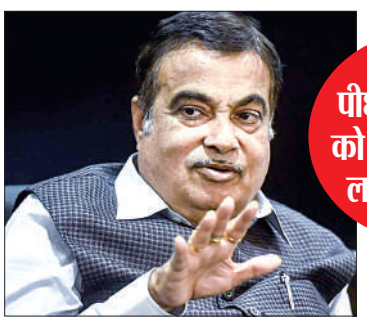

बोले, पीछे बैठने वालों को भी सीट बेल्ट लगानी पड़ेगी

गडकरी ने बताया कि कैसे सीट बेल्ट ना लगाने पर उन्होंने कार ड्राइवर को डांट लगाई थी। गडकरी कहते हैं कि आम लोगों को तो भूल जाओ। मैं एक बार चार मुख्यमंत्रियों के साथ उनकी कार से जा रहा था... नाम मत पूछिये। मैं फ्रंट सीट पर बैठा था, मैंने देखा कि सीट बेल्ट की जगह पर क्लिप लगी थी, जिससे सीट बेल्ट ना लगाने पर भी अलार्म की आवाज ना आए। मैंने ड्राइवर को डांटा और सुनिश्चित किया कि कार चलने से पहले सीट बेल्ट लगा लूं। गडकरी ने बताया कि मैंने इस तरह के क्लिप के निर्माण और बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि पीछे वाली सीट पर बैठे लोगों को लगता है कि उन्हें सीट बेल्ट लगाने की जरूरत नहीं है। ये समस्या है।

मैं किसी हादसे पर टिप्पणी नहीं करना चाहता हूं, लेकिन आगे और पीछे की सीट पर बैठने वाले सभी लोगों को सीट बेल्ट पहनने की जरूरत है। बता दें कि गडकरी आईएए के ग्लोबल समिट-नेशंस एंड ब्रांड कार्यक्रम में बोल रहे थे। गडकरी ने कहा कि सरकार सभी कारों में 6 एयरबैग्स अनिवार्य करने पर भी विचार कर रही है।

गडकरी ने कहा कि जब देश से गाड़ी एक्सपोर्ट की जाती है तो उसमें 6 एयरबैग्स होते हैं। तो फिर भारतीय कारों में चार एयरबैग ही क्यों होते हैं। क्या भारतीयों की जान की कीमत नहीं है? जब बड़ी संख्या में एयर बैग का निर्माण होगा तो इसकी कीमत घटकर 900 रुपये रह जाएगी।

लेवाना होटल अग्निकांड में बड़ी कार्रवाई

मालिक समेत तीन आरोपी गिरफ्तार, सीजेएम कोर्ट में पेश

» पुलिस ने तीनों आरोपितों से करीब 21 घंटे की पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हजरतगंज स्थित लेवाना होटल में अग्निकांड के आरोपित राहुल और रोहित अग्रवाल तथा महाप्रबंधक सागर श्रीवास्तव को पुलिस ने आखिरकार लंबी पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने तीनों आरोपितों से करीब 21 घंटे से ज्यादा पूछताछ की। पुलिस ने सिविल अस्पताल में तीनों का मेडिकल परीक्षण किया। इसके बाद पुलिस ने इनको सीजेएम कोर्ट में पेश किया। इन तीनों के खिलाफ धारा 308 और 304 में केस दर्ज है।

पुलिस ने सोमवार दोपहर करीब 2:00 बजे आरोपितों को उनके घर से हिरासत में लिया था। पुलिस के मुताबिक, तीनों आरोपितों को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ पहले ही एफआईआर दर्ज कर ली थी। हालांकि इसकी जानकारी सोमवार को किसी को नहीं दी गई। अधिकारी एफआईआर और आरोपितों के पकड़े जाने को लेकर कोई भी बयान देने से कतरा रहे थे। होटल लेवाना में सोमवार सुबह करीब 7:00 बजे भीषण आग लग गई थी। अग्निकांड में लखनऊ के चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मुख्यमंत्री ने जांच के आदेश दिए। इसके बाद पुलिस आयुक्त और मंडलायुक्त को जांच सौंपी गई थी। मंडलायुक्त की प्रारंभिक जांच में लखनऊ विकास प्राधिकरण के कई अफसर दोषी पाए गए हैं, जिनके खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति की गई है। मंगलवार को एक बार फिर फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम घटनास्थल पहुंची और साक्ष्य संकलन किए। प्रथम दृष्टया होटल में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आ रही है।

होटल ध्वस्त करने की भी तैयारी!

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार होटल लेवाना सील है जबकि इसके ध्वस्तीकरण की तैयारी चल रही है। फिलहाल अभी स्पष्ट नहीं है कि यह कार्रवाई कब तक की जाएगी। मंडलायुक्त ने इस मामले में अभी कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया पर ये जरूर कहा कि अवैध होटल सील होंगे। खतरनाक तरीके से बनाए गए होटल ध्वस्त होंगे। कमिश्नर डॉ. रोशन जैकब ने एलडीए को विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही लेवाना को ध्वस्त करने की बात कही। इस मामले की जांच मंडलायुक्त तथा पुलिस कमिश्नर कर रहे है। डायनामाइट से होटल को ध्वस्त किए जाने की बात को एलडीए उपाध्यक्ष ने नकारा कहा फर्जी सूचना है।

टेनी के खिलाफ अपील पर सुनवाई टली

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के खिलाफ दाखिल राज्य सरकार की अपील पर मंगलवार को सुनवाई नहीं हो सकी।

मंगलवार को जब मामला सुनवाई के लिए आया तो केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के अधिवक्ता ने न्यायालय को बताया कि स्थानांतरण प्रार्थना पत्र को खारिज किए जाने के आदेश को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी गई है। अनुरोध किया गया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई के पश्चात ही वर्तमान अपील की सुनवाई की जाए। न्यायालय ने इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए, मामले की अगली सुनवाई के लिए 27 सितम्बर की तिथि नियत कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रेनू अग्रवाल की खंडपीठ ने पारित किया। 22 साल पहले 8 जुलाई 2022 को तिकुनिया कस्बे में 22 वर्षीय प्रभात गुप्ता को सरेआम कनपटी पर गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया गया था।

सपना चौधरी पहुंचीं लखनऊ, कर सकती हैं सरेंडर

लखनऊ। सपना चौधरी लखनऊ पहुंच चुकी हैं। ताजा जानकारी के अनुसार कई महीनों से कोर्ट कचहरी के चक्कर काट रही हरियाणी सिंगर और डांसर कोर्ट में सरेंडर कर सकती हैं। बता दें कि कोर्ट ने सपना के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर रखा है। दरअसल, लखनऊ के आशियाना थाने में डांसर क्वीन समेत कई लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज है।

दरअसल, 13 अक्टूबर 2018 को हरियाणी डांसर के खिलाफ उप निरीक्षक फिरोज खान ने एक कार्यक्रम को अचानक रद्द करने और टिकट धारकों को पैसे न लौटाने का आरोप लगाते हुए आशियाना थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई थी। एफआईआर की सुनवाई के लिए कोर्ट ने पिछले साल नवंबर महीने में सपना के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। लेकिन सपना ने अदालत में हाजिर होकर अपनी जमानत करा ली थी। इसके बाद लखनऊ के एसीजेएम कोर्ट ने सुनवाई के लिए सपना को कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया था। लेकिन न ही सपना चौधरी कोर्ट पहुंची और न ही उन्होंने कोई अर्जी दी, जिसकी वजह से कोर्ट ने कड़ी कार्रवाई करते हुए कुछ दिनों पहले सपना के खिलाफ वारंट जारी किया था।

भारत-बांग्लादेश के बीच मैत्रीपूर्ण संबंध : शेख हसीना

» राष्ट्रपति भवन में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री का जोरदार स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना चार दिवसीय भारत दौरे पर हैं। मंगलवार को शेख हसीना का राष्ट्रपति भवन में जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान पीएम मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर मौजदू रहे। राष्ट्रपति भवन में पीएम मोदी ने शेख हसीना से मुलाकात की।

राष्ट्रपति भवन में जोरदार स्वागत के बाद बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना ने कहा कि भारत हमारा मित्र है। जब भी मैं भारत आती हूं, तो यह मेरे लिए खुशी की बात होती है। खासकर इसलिए कि हम हमेशा अपने मुक्ति संग्राम के दौरान भारत के योगदान को याद करते हैं। हमारे बीच मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। हम एक-दूसरे के साथ सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य ध्यान गरीबी उन्मूलन और अर्थव्यवस्था को विकसित करना है। इन सभी मुद्दों के साथ मुझे लगता है कि हम दोनों देश मिलकर एक साथ काम करें, ताकि न केवल भारत और बांग्लादेश में, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में लोगों को बेहतर जीवन मिल सके। यही हमारा मुख्य फोकस है। इसके साथ ही शेख हसीना ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच बहुत ही उपयोगी चर्चा होगी। हमारा मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से विकसित होना और हमारे लोगों की बुनियादी जरूरतों को भी पूरा करना है, जो हम कर पाएंगे। दोस्ती से आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल सकते हैं। इसलिए हम हमेशा ऐसा करते हैं। बता दें कि शेख हसीना और पीएम मोदी के बीच मंगलवार को अलग से बैठक होगी। साथ ही शेख हसीना आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भी मुलाकात करने वाली हैं। शेख हसीना सोमवार को ही भारत आईं हैं। बांग्लादेश भारत का पड़ोसी पहले नीति के तहत एक महत्वपूर्ण भागीदार है। दोनों देशों के संबंधों को लेकर यह यात्रा बेहद खास है। इसके पहले प्रधानमंत्री मोदी और शेख हसीना के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत और बांग्लादेश के बीच कई अहम समझौते हुए हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।